ध्यान लोक

भूलोक शीघ्र ही ध्यान लोक होने जा रहा है। यह भविष्यवाणी है। यह अनेक ऋषियों का दर्शन सार है। इसलिए हर देश को और गाँव को ध्यानमय होना चाहिए।

इसीलिए पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटी की स्थापना हुई है। हर शहर को ध्यानमय होना है, इसलिए वहाँ के हर बच्चे, युवा और वृद्धों को भी ध्यान करना है। इस लक्ष्य हेतु पिरामिड सोसाइटीज़ आगे बढ़ रही हैं। शहरों में एक भी व्यक्ति ज्ञान रहित न रह जाए और यह आनापानसति-विपस्सना से ही साध्य है।

यह ध्यान रीति कोई नई नहीं है। जो रीति श्रीकृष्ण, महावीर, बुद्ध और शंकराचार्य ने सिखाई, वहीं पिरामिड मास्टर्स भी अपनाने को कहते हैं। सत्य सदैव एक-सा रहता है, ध्यान रीति भी अनादि काल से आजतक वैसी ही ह। इसका प्रबोध करना ही पिरामिड सोसाइटीज़ का मुख्य लक्ष्य है।